"उदय प्रकाश की कहानियों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन"

राँची विश्वविद्यालय, राँची के हिन्दी विभाग में पीएच. डी. प्रवेश हेतु

प्रस्तुत शोध प्रारूप

निर्देशक
डॉ० चन्द्रिका ठाकुर
ॲसोशिएट प्रोफेसर
अध्यक्ष
हिन्दी विभाग,
राँची विश्वविद्यालय,
राँची

शोधार्थी
पिंकी कुमारी
(जे. आर. एफ.)
विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग
राँची विश्वविद्यालय,
राँची

उदय प्रकाश की कहानियों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन

भूमिकाः–

किसी भी मनुष्य के मानसिक संवेगो, आंतरिक अनुभूतियाँ, अतृप्त वासनाओं, दिवास्वप्नों और असामान्य व्यवहार के विश्लेषणपरक अध्ययन को मनोविज्ञान की संज्ञा दी जाती हैं। हिंदी साहित्य में मनोविज्ञान के विभिन्न तत्व पाए जाते हैं। हिंदी के प्राचीन तथा आधुनिक रचनाकारों में इसका थोड़ा आभास मिलता है। हिंदी कथा साहित्य के सरताज मुंशी प्रेमचंद ने कहा हैं, "सबसे उत्तम कहानी वह होती है, जिसका आधार किसी मनोवैज्ञानिक सत्य पर हो।" इसी से हिंदी कथा साहित्य के अंतर्गत मनोविज्ञान का स्थान निश्चित हो जाता है।

उदय प्रकाश एक ऐसे कथाकार हैं जिन्होंने कहानी, उपन्यास तथा कविता के क्षेत्र महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उदय प्रकाश की साहित्यिक समझ और दृष्टि विशिष्ट हैं। किसी भी साहित्यकार के विचारधारा निर्माण में उसके समय की सामाजिक व्यवस्था, राजनीतिक स्थिति एवं सांस्कृतिक दृष्टि का बहुत बड़ा प्रभाव रहता है। कथाकार उदय प्रकाश पर भी अपने समय की परिस्थितियों का व्यापक प्रभाव रहा है। इन्होंने समय के अंतर्विरोध पर अपनी सूक्ष्म दृष्टि रखा तथा अपने साहित्य में समेटा है। साहित्य समाज का दर्पण होता है। यह पंक्ति उदय प्रकाश के साहित्य के संबंध में पूर्णतः चरितार्थ होती है। उदय प्रकाश पर मार्क्सवाद का व्यापक प्रभाव रहा है, कथानक, पात्र, वातावरण, भाषा और शिल्प स्तर पर बेहद प्रयोगशील और दूसरों से अलग अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। उनकी हर एक कहानी समसामयिक संदर्भों से भरी होती है। उदय प्रकाश की कहानी परंपरागत ढांचे का अतिक्रमण करती है तथा युग के प्रमुख विमर्शों का एहसास उनकी कहानियों में लगातार बना रहता है। वह समकालीन दलित और सामाजिक विमर्श तक ही सीमित नहीं है उनकी सोच का दायरा व्यापक है। उदय प्रकाश के पात्र चरित्र, सत्ता, व्यवस्था और परिवेश से संघर्ष करते हुए हार जाते हैं, किंतु हार कर भी एक गहरी टीस पाठक के मन में छोड़ जाते हैं। उदय प्रकाश उन अनछुए पहलू को भी सामने लाते हैं जिस पर प्रायः अन्य कहानीकारों की दृष्टि नहीं गई है।

उदय प्रकाश ने अपनी कहानियों के कथ्य में गांव से लेकर शहरी जीवन तक को समेटा है। पहली कहानी संग्रह 'दरियाई घोड़ा' से ही उन्होंने कथा जगत में जोरदार कदम रखा। इन संग्रह की कहानियों में उन्होंने बचपन की यादों को उजागर किया है। उनका

'टेपचू' कहानी संग्रह सबसे अधिक चर्चित **पुस्तक रही** है। जिसमें जीवन के पूर्वार्द्ध में मनमौजी लड़का टेपचू का जीवन के उत्तरार्ध में संघर्ष दिखाया गया हैं। 'तिरिछ' कहानी संग्रह में 'छप्पन तोले का करधन' और 'तिरिछ' यह चर्चित कहानियाँ है। 'तिरिछ' कहानी में तिरिछ नामक जहरीले जीव के काटने और शहर की असंवेदनशीलता से लड़ते पिता की दर्दनाक कहानी है। 'छप्पन तोले की करधन' कहानी में वर्तमान दौर में खत्म होती रिश्तो की आत्मीयता को दर्शाया गया है। यहाँ करधन को मेटाफोर की तरह दिखाया गया है। दोनों ही कहानी मनोविज्ञान से संबंधित है। 'पॉल गोमरा का स्कूटर' कहानी संग्रह में छतरियां, पॉल गोमरा का स्कूटर, भाई का सत्याग्रह और वारेन हेस्टिंग्स का सांड़ यह चार कहानियाँ संग्रहित है। इन कहानियों में किशोर सुलभ मन की एंद्रिकता की गाड़ी बाजार व बाजारवादी संस्कृति की विकरालता की व्याख्या औपनिवेशिक संदर्भ में की गई हैं। 'पीली छतरी वाली लड़की' एक लंबी कहानी है। एक प्रेम कथा पर आधारित कहानी है, पर साथ में यह अपने कई उद्देश्यों को लिए हुए हैं। दोनों का प्यार मनुवादी मान्यताओं पर आधारित और आजादी के बाद भारत की उपभोक्ता संस्कृति में पनपी मान्यताओं को अंदर से तोड़ने लगता है। उदय प्रकाश की कहानियों का उद्देश्य बिल्कुल साफ होते हैं। यह कहानी पाठक को केवल मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि उन्हें उद्वेलित कर चिंतन- मनन के लिए बाध्य भी करती है।

शोध का उद्देश्य:-

प्रत्येक शोध का अपना उद्देश्य होता है और इसी उद्देश्य के आधार पर शोध का महत्त्व निर्धारित होता है। शोध का उद्देश्य कभी व्यक्तिगत नहीं होता इसका उद्देश्य समाजोपयोगी या समाज के हित के लिए होता है। उदय प्रकाश का समस्त लेखन निरकुंश सत्ता के खिलाफ मुखर प्रतिरोध का लेखन रहा है। यह सत्ता जातिवाद, सामंतवाद, समाजवाद या सांप्रदायिकता में से कोई एक या कई एक समूह भी हो सकता है। सुसंस्कृति की खाल ओढ़े सुविधावादी तरीके से पच्चीसकारी करते हुए कलात्मक सृजन या भ्रम पालने वालों में उदय प्रकाश कभी सम्मिलित नहीं होते हैं। उनकी कहानियां पाठकों को सोचने समझने या विचार करने पर विवश कर देती है। उदय प्रकाश हिंदी के सर्वाधिक संवेदनशील **कहानीकारों** में एक है। मैं अपने शोध कार्य के माध्यम से उदय प्रकाश की कहानियों के अनछुए अंश पर पाठकों का ध्यानआकर्षित कर समाज को एक नई दृष्टि उपलब्ध करवाना चाहती **हूँ** । यही मेरे शोध का मुख्य उद्देश्य होगा।

शोध की प्रासंगिकता:–

(१) यथार्थ को बड़े रोचक ढंग से प्रयोग करते हैं ।

(२) गांधीवाद से राजनीतिक पहलुओं का सपाटबयानी प्रस्तुत करते हैं ।

(३) बाजारवाद और मॉडलिंग के जरिए वर्तमान आर्थिक परिदृश्य की बात करते हैं ।

(४) परिवार और निजी संवेदनाओं को बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत करते हैं ।

(५) समाज में जो घटित हो रहा उसे पाठकों के सामने प्रस्तुत करते हैं ।

शोध का महत्त्व :–

किसी भी विषय पर वैचारिक विमर्श प्रस्तुत करने की नई दृष्टि ही किसी शोध कार्य के महत्व को दर्शाता है। इस दृष्टि से साहित्य की एक विधा में समाज की समस्त संवेदना का स्वरूप प्रतिफलित होता है। साहित्यकार अपने साहित्य में समाज की सच्चे और जीवंत स्वरूप प्रस्तुत करना चाहता हैं। वह केवल समाज का चित्रण ही नहीं करता बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज के भविष्य का एक स्वरूप भी गढ़ता है। वह लोगों में आशा का दीप जलाकर अतीत से शिक्षा लेता हुआ भावी पीढ़ी के लिए एक नया भविष्य उजागर करता है।

किसी भी साहित्यकार की विचारधारा के निर्माण में उस समय की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि का बहुत प्रभाव रहता है। उदय प्रकाश समय के अंतर्विरोध पर अपनी सूक्ष्म दृष्टि रखते हैं और साहित्य में समेट लेते हैं। इन्होंने अपनी कहानियों में हर उस व्यक्ति का जिक्र किया है, जो शोषित हैं। उदय प्रकाश मानते हैं कि साहित्य **वह** आधार है, **जिसमे** हम अपने समाज को संपूर्ण रूप से व्यक्त कर**ते** है। साहित्य ही मुक्ति का साधन है। जब हम अपनी बातें संप्रेषित कर देते हैं, तो हम दबाव एवम् बोझ से मुक्त हो जाते हैं। इस दृष्टि से शोध का महत्व और विस्तृत एवं महत्वपूर्ण हो जाता है।

अध्ययन पद्धति:-

यह शोध कार्य मौलिक एवं सहायक **ग्रंथों** पर आधारित होगा। इस शोध के लिए पुस्तकावलोकन विधि की सहायता ली जाएगी। यह शोध कार्य मुख्यतः शुद्ध शोध होगा। **यहाँ** शोध के व्यावहारिक पहलू **पर भी विचार – विमर्श किया जाएगा।**

शोध में प्रयुक्त प्रदत्त:-

इस शोध कार्य में प्रदत्त हेतु विभिन्न पुस्तकालयों **से सहायता ली जाएगी** और उन पुस्तकालय में उपलब्ध उदय प्रकाश जी के व्यक्तित्व और कृतित्व से संबंधित अध्ययन सामग्री एकत्र की जाएगी। इस शोध से संबंधित रचनाओं तथा शोध ग्रंथों आदि की भी सहायता ली जाएगी। इसके साथ ही साहित्य के अनुभवी शिक्षक से भी लाभ उठाने का प्रयास किया जाएगा। समय-समय पर विभिन्न साहित्यकारों के सहयोग एवम् योगदान से इस शोध को उपयोगी बनाने का मेरा दृढ़ प्रयास होगा। इस प्रकार विभिन्न स्रोतों से तथ्यों के संकलन एवं विश्लेषण के द्वारा शोध कार्य में सहायता ली जाएगी।

शोध प्रविधि :–

प्रस्तावित शोध कार्य हेतु निम्नलिखित शोध विधि का सहारा लेना पड़ सकता है।

(क) सर्वेक्षण विधि

(ख) साक्षात्कार विधि

(ग) आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक पद्धति

(घ) लेख - आलेखों के अध्ययन

(ड़) सहायक सामग्री

(च) विवरणात्मक विधि

शोध अवधि :-

समयावधि के भीतर शोधकार्य को पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा।

पूर्व में किए गए शोध:-

उदय प्रकाश एक ऐसे श्रेष्ठ कथाकार हैं जिन्होंने जीवन के विविध पहलुओं को अपनी कहानियों में उकेरा है। इन्होंने राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक विभिन्न पहलुओं पर अपना ध्यानाकर्षित किया है। बहुत सारे शोधार्थियों ने विभिन्न पहलुओं पर शोध कार्य किए हैं, किंतु उदय प्रकाश की कहानियों का **मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर** अब तक किसी ने **कार्य** नहीं किया **है।** उदय प्रकाश पर अभी तक जितने भी शोध कार्य हुए हैं, उनमें से कुछ के विवरण इस प्रकार हैं-

(1) समकालीन हिंदी कथा लेखन और उदय प्रकाश की कहानी, डॉक्टर राम मनोहर लोहिया, अवध विश्वविद्यालय, **2011**

(2) उदय प्रकाश की कहानियों में निरूपित सामाजिक चेतना, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, **2018**

(3) उदय प्रकाश सृजन और चिंतन, मणिपुर विश्वविद्यालय, **2019**

(4) उदय प्रकाश की कहानियों में निरूपित सामाजिक चेतना, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, **2019**

शोध की परिकल्पना :-

(१) समकालीन रचनाकारों का अध्ययन **करना शोधार्थी का अभिष्ट होगा।**

(२) गांधीवाद से प्रभावित लेखक का अध्ययन किया जायेगा।

(३) कहानीकारों के आत्मसंघर्ष को केंद्र में रखकर उनका अध्ययन किया जायेगा।

(४) सामाजिक - राजनीतिक परिवेश का उद्बोधन जानने का अवसर मिलेगा ।

भविष्य में होने वाले शोध की संभावना

* उदय प्रकाश की कहानियों का मूल्यांकन

*उदय प्रकाश की कहानियों में शहरी जीवन

उदय प्रकाश की कहानियों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन

(१) प्रथम अध्याय :-

उदय प्रकाश का जीवन वृत्त

(क) जन्म

(ख) शिक्षा - दीक्षा

(ग) पारिवारिक पृष्ठभूमि

(२) द्वितीय अध्याय :–

उदय प्रकाश का रचना - संसार

(क) उपन्यास

(ख) कहानी

(ग) निबंध और अन्य

(३) तृतीय अध्याय :-

मनोविज्ञान की परिभाषा एवम् अवधारणा

(क) मनोविज्ञान की परिभाषा

(ख) भारतीय दृष्टिकोण में मनोविज्ञान

(ग) पाश्चात्य दृष्टिकोण में मनोविज्ञान

(४) चतुर्थ अध्याय :-

उदय प्रकाश की कहानियों में मनोविज्ञान

(क) सामाजिक कहानियों में मनोविज्ञान

(ख) राजनीतिक कहानियों में मनोविज्ञान

(ग) अन्य कहानियों में मनोविज्ञान

(५) पंचम अध्याय :–

उदय प्रकाश के समकालीन कथाकारों में मनोविज्ञान

(क) धर्मवीर भारती

(ख) मोहन राकेश

(ग) राजेंद्र यादव

(घ) कमलेश्वर

(ङ) भीष्म साहनी

उपसंहार

आधार ग्रंथ:-

(१) "दरियाई घोड़ा," उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन, **1989**

(२) "तिरिक्ष," उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन, **1989**

(३) "पॉल गोमरा का स्कूटर," वाणी प्रकाशन, **1997**

(४) "पीली छतरी वाली लड़की," वाणी प्रकाशन, **2001**

(५) "दत्तादेय का दुःख," वाणी प्रकाशन, **2002**

(६) "मोहनदास," वाणी प्रकाशन, **2009**

(७) "और अंत में प्रार्थना," वाणी प्रकाशन, **1998**

(८) "अरेबा- परेबा," पेंगुइन प्रकाशन, **2006**

(९) "मैंगोसील," वाणी प्रकाशन, **2009**

संदर्भ ग्रंथ:-

(१) "समकालीन हिंदी कहानी: कृति और परिदृश्य" यदुनाथ सिंह, चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद, **1981**

(२) "स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी में सामाजिक परिवर्तन" डॉक्टर भेरूलाल गर्ग चित्रलेखा प्रकाशन, **1979**

(३) "समकालीन हिंदी कहानी: यथार्थ के विविधआयाम," डॉक्टर ज्ञानवती अरोरा, हिंदी बुक सेंटर , नई दिल्ली ,**1994**

(४) "नई कहानी की मूल संवेदना," सुरेश सिंह, लोक भारती प्रकाशन, **1966**

(५) "भाषा और संवेदना", रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, **1964**

(६) "हिंदी साहित्य संवेदना का विकास," रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, **1964**

(७) "भाषा संवेदना और सर्जक," रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, **1996**

(८) "राजेंद्र यादव की कथा साहित्य का मनोविश्लेषणात्मक विवेचन," डॉक्टर सोनिया सिरसाट विद्या, कानपुर, **2004**

(९) "कहानी नई कहानी," डॉक्टर नामवर सिंह, इलाहाबाद, **2008**

(१०) "हिंदी साहित्य कोष," संपा०डॉ धीरेंद्र वर्मा,

पत्र - पत्रिकाएँ :-

* हंस
* ज्ञानोदय
* वागर्थ
* साहित्य अमृत
* कथादेश

नोट:- यह शोध रूपरेखा अंतिम नहीं हैं, भविष्य में **आवश्यकतानुसार** परिवर्तन किया जा सकता हैं।